हेल्पलाईन नं0 9451167918

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

हेल्पलाईन नं0 9451167918

वर्ष–10 अंक–224 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 13 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

पिता की हत्या के आरोप में बेटा और उसका दोस्त गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने एक व्यक्ति और उसके एक दोस्त को उसके पिता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना यहां नई मंडी थाना क्षेत्र के शांतिनगर में हुई। आरोपियों की पहचान कार्तिक और निशांत के रूप में हुई है। एसएचओ पंकज कुमार पंत ने कहा कि कार्तिक अपने पिता प्रवेंद्र कुमार से नाराज था क्योंकि वह शराब का आदी था और नशे में होने के बाद नियमित रूप से झगड़ा करता था। एसएचओ ने बताया कि दोनों आरोपियों ने 3 नवंबर को कुमार को कथित तौर पर चाकू मार दिया और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई कार और चाकू को जब्त कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक सीतापुर आर.पी. सिंह ने किया थाना कमलापुर व थाना सिधौली का औचक निरीक्षण

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर आर.पी. सिंह द्वारा थाना कमलापुर व थाना सिधौली का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोनों थानों के महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय,

मालखाना, कम्प्यूटर कार्यालय, थाना भोजनालय, आरक्षी बैरक के साथ सम्पूर्ण थाना परिसर को चेक किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा स्वयं महिला हेल्प डेस्क पर शिकायत कर्ताओं द्वारा दिए गए प्रार्थना–पत्रों के निस्तारण का जरिए दूरभाष फीडबैक लिया गया। तत्पश्चात थाना कार्यालय के अभिलेखों को चेक कर उनके बेहतर रख–रखाव व उनको अद्यावधिक रखने, मालखाने को चेक कर उसमें दाखिल माल के निस्तारण व उचित रख–रखाव के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

तीन दिवसीय दौरे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना को देंगे गति

लखनऊ, (वेब वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को यहां पहुंच गये। इस दौरान वह विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के एक आधिकारिक बयान में दी गयी जानकारी के अनुसार लखनऊ में रक्षा मंत्री का पहला कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना की बैठक में हिस्सा लेने का है। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में रक्षा उपकरणों का उत्पादन करने वाली देश की दिग्गज कंपनियों के विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का विस्तार प्रदेश में छह नोड (आगरा, अलीगढ़, झांसी कानपुर, चित्रकूट और लखनऊ) तक विस्तृत है। इसमें 11207.63 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इससे करीब ढाई लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होने की उम्मीद जताई गई है। इसके लिए 1482

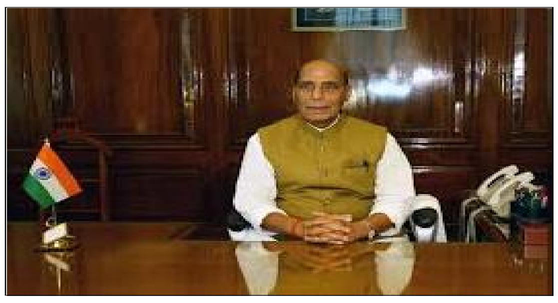

हेक्टेयर का लैंड बैंक बनाया गया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की छह यूनिटों के तहत अब तक 24 कंपनियों को 337 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर दी गई है। इस परियोजना के तहत लखनऊ और झांसी में ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण के लिए राजधानी में 80 हेक्टेयर और झांसी में भारत डायनामिक्स को 183 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। शुक्रवार को बैठक में इन योजनाओं पर चल रहे काम की प्रगति की समीक्षा भी की जानी है। रक्षा मंत्री शाम को करीब चार बजे बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय डा.अखिलेश दास की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। फिर शाम को साढ़े पांच बजे सुशांत गोल्फ सिटी सेक्टर सी में द सेंट्रम का उद्घाटन करके दिलकुशा में अपने आवास पर चले जाएंगे। अगले दिन शनिवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज परिसर, कानपुर रोड में आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी दिन शाम को चार बजे सीएमएस गोमती नगर विस्तार में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम शामिल होंगे। शाम को ही रुचि खंड –1, शारदा नगर में निजी स्कूल की नई शाखा का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद अपने आवास वापस होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार सुबह 11:30 बजे पूर्व सैनिक कल्याण निगम परिसर, तलीबाग में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के रजत जयंती समारोह फिर कृष्णा नगर में दोपहर तीन बजे ब्राह्मण परिवार के 16वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम को 4:30 बजे एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

63 हिंदू बंगाली परिवारों का पुनर्वास करेंगे योगी

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1970 के दशक में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित हुए 63 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वास के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। परिवारों को कानपुर (ग्रामीण) के भैसाया गांव में 121.41 हेक्टेयर भूमि पर बसाया जाएगा। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार, प्रत्येक परिवार को 2 एकड़ भूमि कृषि प्रयोजनों के लिए और 200 वर्ग मीटर भूमि आवास के लिए 1 रुपये के पट्टे पर 30 वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी, जिसे 90 वर्ष तक नवीकरणीय किया जाएगा। उन्हें मकान निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये का अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये परिवार पहले मेरठ के हस्तिनापुर में बसे थे और मदन यार्न मिल में काम कर रहे थे, जो 1984 में बंद हो गया था। इसके बाद से परिजन पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। 1970 में, केंद्र ने ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में 332 विस्थापित हिंदू परिवारों का पुनर्वास किया था।

योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करेगी 5,000 स्वास्थ्य केंद्र

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण आबादी लिए 5,000 से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र स्थापित करेगी। यह निर्णय समुदायों को उनके घरों के करीब व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और चिकित्सा और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से काम किया है। इसके अलावा, सरकार ने राज्य में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। नतीजतन, राज्य के छोटे अस्पतालों से लेकर बड़े अस्पतालों में रेफर करने के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। इन 5,000 नए स्वास्थ्य केंद्रों से स्वास्थ्य योजनाओं को भी सही तरीके से लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग इन नए उपकेंद्रों पर आवश्यक चिकित्सा उपकरण, चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करेगा। केंद्रों में मातश स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य, मधुमेह, रक्तचाप की जांच और संचारी और गैर–संचारी रोगों के उपचार की व्यवस्था होगी। साथ ही योग व व्यायाम, परामर्श, स्वास्थ्य शिक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं जैसी गतिविधियां उपलब्ध रहेंगी। टीकाकरण और मातश स्वास्थ्य जांच और उपचार के अलावा मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि उपकेंद्रों पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) मौजूद रहेंगे। मरीजों को उनके इलाज के अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टरों के पास भी भेजा जाएगा। केजीएमयू जैसे संस्थानों से छह माह तक प्रशिक्षित स्टाफ नर्सों को सीएचओ के तौर पर तैनात किया जाएगा।

डीएम ने 03 एजेंसियों के 27 क्रय केंद्र प्रभारियों को जारी किया स्पष्टीकरण, मचा हड़कंप

पांच से कम किसानों से खरीद करने वाले क्रय केंद्रों से डीएम ने किया जवाब तलब

अवध की आवाज

लखीमपुर खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने गुरुवार को जनपद की विभिन्न क्रय एजेंसियों द्वारा की गई धान खरीद के डाटा की विस्तृत समीक्षा की संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। गुरुवार को पांच से कम किसानों से खरीद करने वाले तीन क्रय एजेंसियों के 27 केंद्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। समीक्षा के दौरान डीएम ने उप्र उपभोक्ता सहकारी संघ के दो, उप्र कोऑपरेटिव यूनियन के चार, पीसीएफ के 21 क्रय केंद्रों पर पांच से भी कम किसानों से खरीद करने पर संबंधित एजेंसियों के जिला प्रबंधक से स्पष्टीकरण तलब किया। डीएम ने कहा कि क्रय केंद्रों पर इतनी कम संख्या में कृषकों से खरीद होना, यह परिलक्षित करता है कि धान खरीद में संबंधित क्रय केंद्र प्रभारियों द्वारा अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है। यह स्थिति कदाचित उचित नहीं है। उन्होंने संबंधित क्रय एजेंसियों के जिला प्रबंधक को निर्देश दिए कि संबंधित क्रय केंद्र प्रभारियों का स्पष्टीकरण दो दिवस के अंदर प्राप्त कर उनके समक्ष प्रस्तुत करें कि उनके द्वारा इतनी कम संख्या में कृषकों की खरीद क्यों की गई। डीएम ने बताया कि प्रतिदिन 5500 से 6000 एमटी धान की खरीद किसानों से क्रय केंद्र के जरिए की जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि किसी किसान को धान बेचने में असुविधा हो तो वह क्रय केंद्र पर लगे बैनर ऊपर अंकित नंबरों पर सूचना दें। आवश्यकतानुसार उप जिलाधिकारी एवं अपर जिला अधिकारी खीरी को भी सूचना देकर अपनी समस्या का निदान कराए। उन्होंने बताया कि प्रशासन सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों के मानक युक्त धान को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने हेतु कृत संकल्पित है।

उन्नाव की पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने अपने पति स्मृतिशेष संदीप टंडन जी की 72 वें जन्मदिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए औरास ब्लॉक के गोबरा गाँव निवासी 35 वर्षीय व 3 नाबालिग बच्चों की माँ सुशीला रावत जिनके पति 6 वर्ष पूर्व मार्ग दुर्घटना में खत्म हो गए थे उनके परिवार के पालन पोषण हेतु एक दुधारू गाय दान दी । अन्नू टंडन जी द्वारा दान में प्राप्त दुधारू गाय पाकर भावुक सुशीला रावत ने बताया कि अब कम से कम बच्चों को दूध उपलब्ध होने के अलावा घर खर्च उठाने में भी मदद मिलेगी।

लावारिस मिले 3 माह के बच्चे के लिए सहारा बनी उन्नाव पुलिस

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। कोतवाली सदर पुलिस को सूचना मिली कि एक नवजात शिशु उम्र करीब 3 माह किंग्सन स्कूल दरोगा बाग के पास लावारिस अवस्था में निर्वस्त्र 1 साल में लिपटा हुआ पड़ा है। सूचना पर थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर नवजात शिशु को थाने लाया गया थाने पर अर्चना देवी द्वारा उसकी देखभाल करते हुए उसे नए कपड़े पहना कर दूध पिलाया गया तत्पश्चात चाइल्ड केयर हेल्पलाइन 1098 को सूचना दी गई जिस पर चाइल्डलाइन के सदस्य सिद्धार्थ त्रिपाठी एवं कुमारी दिव्या अवस्थी थाने आए नवजात शिशु को पुलिस द्वारा चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करते हुए उसका मेडिकल कराया गया चाइल्डलाइन के सदस्यों को बच्चे की देखभाल हेतु निर्देशित किया गया पुलिस का यह कार्य देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस की सराहनकी।

अब 5 लाख दीयों से जगमगाएगा संगम

प्रयागराज (वेब वार्ता)। अयोध्या में दीपोत्सव के बाद अब प्रयागराज में 19 नवंबर को देव दीपावली के मौके पर गंगा और यमुना नदियों के संगम स्थल संगम क्षेत्र को करीब पांच लाख दीयों से सजाया जाएगा। पवित्र शहर में इस आयोजन को भव्य बनाने के प्रयास जारी हैं। प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट संजय कुमार खत्री ने कहा कि पिछले वर्षो की तुलना में इस वर्ष बहुत बड़े उत्सव की योजना बनाई गई है और इस आयोजन के लिए एक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर के सभी क्षेत्रों के लोगों के साथ–साथ शहर की प्रमुख हस्तियां भी शामिल होंगी। हालांकि, आयोजन के दौरान कोविड –19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा, इस आयोजन की भव्यता को बढ़ाने के लिए, पूरे संगम क्षेत्र को सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों को आवंटित किया जाएगा और उसी के अनुसार काम सौंपा जाएगा। आयोजन के दौरान गंगा आरती मंच के दोनों किनारों पर विशेष सजावट की जाएगी और आगंतुक नाव की सुविधा के माध्यम से भी कार्यक्रम का आनंद ले सकेंगे। जिला प्रशासन के अधिकारी प्रयागराज नाविक संघ के पदाधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि आगंतुकों को उचित मूल्य टिकट देकर नावों के माध्यम से शानदार दृश्य का आनंद लेने के लिए सुविधा प्रदान की जा सके। इस अवसर पर शहर के साथ–साथ देश के जाने–माने कलाकारों को परफॉर्म करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। अधिकारी इस आयोजन के पास विशेष रेत कलाकृति को अंजाम देने की भी योजना बना रहे हैं और शहर के सभी प्रमुख चौराहों को भी रोशन किया जाएगा। अभी तक यह उत्सव वाराणसी तक ही सीमित था।

ट्रेन से कटकर बुजुर्ग की दर्दनाक मौत,स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन जीआरपी पुलिस नदारद

अवध की आवाज

गोण्डा। होनी हो सो हो सके अनहोनी ना होय इसका चरितार्थ रूप सामने देखने को मिल रहा है जैसा कि आज शुक्रवार को अपराहन करीब 11.30 बजे गोण्डा से लखनऊ की ओर जा रही पूजा स्पेशल ट्रेन से कटकर एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। इस प्रकार से जैसा की सूचना मिल रहा है कि मौके पर सही टाइम पर जीआरपी पुलिस नहीं पहुंच सकी जबकि स्थानीय पुलिस तत्काल मामले को संज्ञान में लेकर दुर्घटना स्थल पर पहुंची। इस प्रकार से दुर्घटना की सूचना पर कस्बा चौकी प्रभारी सुनील तिवारी,एजाज अहमद, आरक्षी विकास मौके पर गये। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुँचकर शव को देखने के लिये रेलवे ट्रेक

पर जुटी भीड़ को वहाँ से हटाया। दुर्घटना के बाद काफी देर तक जीआरपी पुलिस घटना स्थल पर नहीं पहुंची है। दुर्घटना ग्रस्त बुजुर्ग का शव रेलवे ट्रेक पर पड़ा है।

अखिलेश ने एआईएमआईएम से गठबंधन करने से किया इनकार

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि वह किसी भी पार्टी का स्वागत करेंगे जो भाजपा को हराना चाहती है, अपने समझौते की घोषणा की, जिसके बाद अन्य मोर्चा सदस्यों के बीच एक असहज शांति व्याप्त हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोर्चा

लेकिन एआईएमआईएम से गठबंधन नहीं करेंगे। यह पहली बार है जब अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार किया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर द्वारा गठित भागीदारी संकल्प मोर्चा में उनके रुख ने पहले ही दरार पैदा कर दी है। एआईएमआईएम मोर्चा का एक महत्वपूर्ण घटक था, लेकिन 27 अक्टूबर को मऊ में एक रैली में राजभर ने सपा के साथ के साथ अपने संबंधों पर कोई बयान नहीं दिया है और राजभर भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। संपर्क करने पर एसबीएसपी के एक नेता ने कहा कि इस मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए क्या है। जिन्हें स्थिति को समझना होगा, वे समझेंगे। उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम नेताओं ने कहा कि हम इंतजार कर रहे हैं और स्थिति देख रहे हैं। किसी भी स्थिति में, हम अपने दम पर चुनाव लड़ने में सक्षम हैं।

सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल समेत दो की मौत, दो अन्य गम्भीर रूप से घायल

बदायूँ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की जनपद बदायूं के थाना बिल्सी क्षेत्र के बिल्सी मार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक सिपाही सहित दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। हादसे के शिकार लोग कार में सवार थे। कार के सामने अचानक आए जंगली जानवर को बचाने के प्रयास में कार खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जिनमें बिल्सी थाने में तैनात एक कॉन्स्टेबल भी शामिल है जबकि दूसरा कांस्टेबल घायल हो गया। इसके अलावा कार में सवार एक अन्य ग्रामीण की भी मौत हो गई है और दूसरे ग्रामीण को इलाज के लिये भर्ती कराया गया है। बदायूं के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण क्षेत्र सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि हादसा बिल्सी थाना क्षेत्र के निजाम पुर गांव के पास बश्हस्पतिवार देर रात हुआ, जिसमें बिल्सी थाने में तैनात कॉन्स्टेबल तनुज (28) और एक व्यक्ति अनिल सिंह (26) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि थाने में ही तैनात नागेंद्र नाम का कॉन्स्टेबल और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

सम्पादकीय

हिमालयी क्षेत्र में विकास कार्य और चीन

भारत की उत्तरी सीमा के क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार ने निर्माण कार्य तेज कर दिया है। नई सड़कें बनाई जा रही हैं। पुलों व सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। हवाई पट्टियां भी विकसित की जा रही हैं। इन संरचनाओं का लाभ सेना के साथ–साथ आम जनता को भी मिलता है। इससे पहले तिब्बत के साथ लगती भारतीय सीमा का क्षेत्र विकास के मामले में अवहेलना का शिकार था। यह स्वीकारोक्ति स्वयं सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्री रहने वाले एके एंटोनी ने 2012 में संसद में की थी। सरकार ऐसा क्यों कर रही थी, इसका कारण एंटोनी ने यह बताया था कि यदि भविष्य में चीन से टकराव होता है तो वह भारतीय क्षेत्र में घुस कर इन संरचनाओं का लाभ उठा सकता है। लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार की नीति इस भय को लेकर बदल गई है। इसलिए निर्माण कार्य भी तेजी से शुरू हो गया है। गलवान घाटी में चीन के साथ खढ ूनी झड़प का मुख्य कारण यही था कि वहां भारत सरकार सड़क का निर्माण कर रही थी, जिसे चीन पचा नहीं पा रहा था। उसने बलपूर्वक सड़क निर्माण कार्य को रोकने का प्रयास किया, जिसके कारण दोनों देशों के सैनिकों के बीच प्राणघातक झड़पें हुईं। चीन को वह भारत अनुकूल लगता है जो हिमालय के साथ–साथ लगती अपनी उत्तरी सीमा को लेकर गफलत में सोया रहे। भारत विकास करता है तो कुछ देशों को चुभता है। वे उसे रोकने के ऐसे निरामिष तरीकों का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनकी असली मंशा पर किसी को शक न हो।

आपके ध्यान में होगा कि 2012 में मनमोहन सिंह सरकार देश में ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए तमिलनाडु में रूस की सहायता से दो परमाणु रिएक्टर स्थापित करना चाहती थी। तब कुछ एनजीओ यानी गैर सरकारी संस्थाओं ने पर्यावरण के नाम पर इस प्रकल्प का विरोध करना शुरू कर दिया था। धरना–प्रदर्शन शुरू हो गया। तर्क यही था कि इससे पर्यावरण प्रदूषित होगा। कितना प्रदूषण फैलेगा, मीडिया में इसके आकड़े भी दिए जाने लगे। ऊपर से देखने पर उनकी यह चिंता स्वाभाविक ही लग रही थी। आखिर सारी दुनिया इस समस्या से जूझ रही थी।

सरकार ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को मनाने की भरसक कोशिश की, उनकी कुछ मांगें मान भी लीं, लेकिन प्रकृति की रक्षा का सारा भार अपने कंधों पर लिए वे लोग टस से मस नहीं हो रहे थे। तब मनमोहन सिंह ने कुछ एनजीओ को सार्वजनिक रूप से ताड़ना की और खढुलासा किया कि सरकार को पता है कि इन एनजीओ को विदेश से पैसा आ रहा है ताकि किसी प्रकार से परमाणु रिएक्टर प्रकल्प को रोका जा सके। इस तरह कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना था। हिमाचल में रोहतांग सुरंग बन जाने से जहां वहां के स्थानीय लोगों को लाभ हुआ, पर्यटन का विकास हुआ, वहीं सेना की शक्ति को सुदृढ़ करने में भी यह सुरंग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब उत्तराखंड में भी सरकार तीन सड़कों यानी ऋषिकेश से माना, ऋषिकेश से गंगोत्री और टनकपुर से पिथौरागढ़ को चौड़ा करना चाहती है। ये सड़कें चार धाम यात्रा मार्ग का भी हिस्सा हैं और भारत–तिब्बत सीमा तक सेना को सामान पहुंचाने का रास्ता सुगम बनाती हैं।

जाहिर है इससे जहां स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं भारत–तिब्बत सीमा पर भारतीय सेना की पहुंच सुगम बनाने व लाजिस्टिक्स सप्लाई लाइन सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि इन सड़कों को चौड़ा करने की अनुमति प्रदान की जाए। लेकिन जैसे–जैसे हिमालय में सुरक्षा के लिहाज से निर्माण कार्य तेज हो रहा है, वैसे–वैसे कुछ लोगों की चिंता प्रकृति की रक्षा के लिए बढ़ने लगी है। चार धाम यात्रा की सड़कों को चौड़ा करने के प्रकल्प को रुकवाने का आग्रह करते हुए एक एनजीओ 'सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून' ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। तर्क यहां भी वही पुराना है, प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा की चिंता। इस एनजीओ के वकील कॉलिन गोंजालेस और मोहम्मद आफताब ने कोर्ट में तर्क दिया है कि सड़कों को चौड़ा करने से हिमालय में भूस्खलन होगा, ग्लेशियर पिघल जाएंगे, इसलिए इस प्रकल्प को रोकना होगा।

उच्चतम न्यायालय की सुनवाई कर रही पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा कि सीमा के पार चीन हिमालय क्षेत्र में सड़कें बना रहा है, वहां भी तो हिमालय की प्रकृति वैसी ही होगी जैसी इधर है। दरअसल पूरे पर्वतीय क्षेत्रों में विकास बनाम प्रकृति संरक्षण की बहस काफी लंबे अरसे से छिड़ी हुई है। बीच–बीच में यह बहस उच्चतम न्यायालय में भी पहुंच जाती है। लेकिन जब से चीन ने भारत–तिब्बत सीमा पर सड़कों का जाल ही नहीं बिछा दिया, बल्कि गोर्मो से ल्हासा तक रेल पटरी भी बिछा दी है, तब से हिमालय क्षेत्रों में आधारभूत संरचनात्मक ढांचा विकसित करना और भी जरूरी हो गया है। पिछले कुछ अरसे से चीन आक्रामक भी हो गया है। इसका कारण भी यही है कि उसे लगता है भारत उत्तरी सुरक्षा के प्रति जाग गया है। अभी उसे रोक दिया जाए तो बेहतर होगा, बाद में ऐसा करना संभव नहीं होगा।

रोकने के दो तरीके हैं। सीमा पर भारतीय सेना को डराया जाए, जैसा प्रयास उसने डोकलाम और गलवान में किया। लेकिन चीन का यह प्रयोग सफल नहीं हुआ। दूसरा तरीका यह कि किसी तरह हिमालय क्षेत्र में विकसित हो रहे आधारभूत संरचनात्मक ढांचे को रुकवाया जाए। देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह रुकवाने के लिए कॉलिन गोंजालेस और मोहम्मद आफताब कैसे–कैसे तर्क देते हैं। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई कर रही पीठ ने सुनवाई के दौरान उचित ही कहा है कि भूस्खलन और अन्य विपरीत घटनाओं का कारण केवल सड़क निर्माण नहीं है, उसके अन्य कारण भी हैं। चीन को देखते हुए हिमालय की सुरक्षा पहला दायित्व है। इसी के चलते पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी। ऐसे ही लोगों और संगठनों के कारण हिमालयी क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे सुरक्षात्मक विकास कार्यों में बाधा पैदा करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन लगता है भारत सरकार ने अब तय कर लिया है कि वह हिमालय की सुरक्षा के दायित्व का पालन बखूबी करेगी। चीन द्वारा रोकने की कई कोशिशें की जा चुकी हैं, लेकिन इस बार भारत सरकार उनकी इस चाल को समझ गई है।

भारतीय शिक्षा में नवाचार की जरूरत

–गिरीश्वर मिश्र–

आज सूचना और ज्ञान की बढ़ती हुई महत्ता को पहचानते हुए वर्तमान युग का नाम ही 'ज्ञान–युग' रख दिया गया है। जीवन के हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया और कृत्रिम बुद्धि (आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस) का ही बोलबाला हो रहा है (घर में एलेक्सा आपके काम की मदद को हाजिर है!)।

रोबोट बहुत सारे काम यहाँ तक कि जटिल सर्जरी आदि करने में बेहद सहायक हो रहा है, कम्प्यूटर और इंटरनेट की सहायता से धरती से चाँद तक बहुत सारा काम हो रहा है। बढ़िया मोबाइल 'आई फोन' हो तो मानो दुनिया ही मुट्ठी में आ गई हो। तो ज्ञान का डंका बज रहा है और सुख की तलाश में ज्ञान बड़े पैमाने पर व्यापक और जटिल ढंग से शामिल होता जा रहा है। ज्ञान का यह दूसरा और संभ्रांत छोर है। उसके दूसरे छोर पर ज्ञानहीन अनपढ़ों की दुनिया है।

भारत में इस किस्म का 'डिजिटल डिवाइड' आज सामाजिक–आर्थिक भेदभाव का बड़ा कारण बन रहा है। अंग्रेजों ने शिक्षा की विषय वस्तु और पद्धति सब में बदलाव किया और वर्चस्व के चलते उसे मुख्यधारा में ला खड़ा किया। ज्ञान की दिशा, ज्ञान का सन्दर्भ , ज्ञान की प्रामाणिकता के आधार और संबोध्य सब के सब गैर–भारतीय होते गए। हम सबके लिए एक पश्चिमी साँचा ढाल दिया गया जिसमें अपने को फिट करना ही हमारा काम हो गया। आज आजादी के पचहत्तर साल बीतने को आए ज्ञान की शृंखला की बेड़ियाँ कमजोर होने की जगह और मजबूत हुई हैं।

शिक्षा का आयोजन कैसे हो इस प्रश्न का उत्तर पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान की सैद्धांतिकी और अनुप्रयोग पर ही निर्भर करता है। ऐसा करते हुए हम मानसिक रूप से पश्चिमी होते चले गए। पश्चिमीकरण की यह प्रक्रिया इस छद्म ढंग से हुई कि पश्चिमी ज्ञान वैश्विक या सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत हुआ और उसी तरह से अंगीकृत किया गया। इस प्रक्रिया में जो कुछ पश्चिम के अनुकूल था उसे स्वीकार किया गया और जो उसके अनुरूप नहीं रहा उसे त्याग दिया गया। हमारे सोच विचार की कोटियाँ, व्याख्याएं और सिद्धांत सभी आयातित होती रहीं। ऐसे में यहाँ पर विकसित हो रहा ज्ञान मौलिक न हो कर एक तरह की छायाप्रति ही बना रहा जिसकी प्रामाणिकता मूल के साथ उसकी अनुरूपता के आधार पर निश्चित की जाती है। नएपन की जगह पुनराख्यान को महत्त्व दिया जाने लगा। ऐसे बहुत कम क्षण ही देखने को मिले जब ज्ञान की दृष्टि से नवोन्मेष के दर्शन होते हों अन्यथा पश्चिम की ज्ञान यात्रा का अनुगमन करने में ही समय बीत जाता है। ज्ञान का खेल और खेल के नियम सभी उन्हीं के। राजनैतिक स्वाधीनता के बावजूद ज्ञान के और शक्ति के शिकंजे से निकलना सरल नहीं है क्योंकि हम एक ऐसी व्यवस्था से बंधे रहे जो सृजन के बदले यथास्थिति के पक्ष में थी इसलिए नवाचार इस मानसिक जकड़न से उबरने के लिए जरूरी है।

वैश्विक स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए ज्ञान की व्यवस्था सभी देशों में वरीयता प्राप्त कर रही है। इसके लिए संसाधन जुटाए जा रहे हैं और उसकी गुणवत्ता की निगरानी और जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'टाइम्स हायर एजूकेशन' जैसी आकलन व्यवस्था द्वारा उच्च शिक्षा की संस्थाओं की रैंकिंग की जा रही है और विश्व के सभी सचेत देश अपनी शिक्षा व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। भारत में भी 'नैक' की संस्था का गठन हुआ है और भारत में भी राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थाओं की रैंकिंग (एनआईआरफ) की जा रही है। उसके निश्चित पैमाने बने हुए हैं जिन पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है और उसके परिणाम सार्वजनिक किए जाते हैं। संस्थाओं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का आकर्षण बहुत हद तक इन मूल्यांकनोंपर निर्भर करता है। साथ ही इस संस्थाओं को व्यवस्थित करने में भी इनकी सहायता ली जाती है। यह एक स्वागतयोग्य पहल है। विश्वविद्यालय के स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता संबर्धित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्देश भी जारी हुए हैं। प्रक्रिया की दृष्टि से निश्चय ही यह सराहनीय कदम है फिर भी वास्तविकता पर गौर करने पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं जिनके समाधान के लिए शैक्षिक नवाचार आवश्यक हैं। बदलते समय में शिक्षा का परिवेश और शिक्षा से जुड़ी आशाएं और आकांक्षाएं भी बदली हैं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की तीव्र प्रक्रिया के प्रभाव के बीच शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण हुआ है। साथ ही ताजा सन्दर्भ में देखने पर शिक्षा–अर्जन का तकनीकी आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण बन गया है।

लगभग दो साल लम्बी चली कोविड की संक्रामक महामारी के दौर में शिक्षा और तकनीक का रिश्ता तब नई ऊँचाइयों पर जा पहुंचा जब प्राइमरी से उच्च शिक्षा की सारी व्यवस्था 'आन लाइन' शिक्षा के अधीन हो गई थी। अध्यापन हो या परीक्षा मजबूरी में ही सही सारा का सारा काम आनलाइन ही होता रहा। इसके नफा–नुकसान तो अपनी जगह हैं पर शिक्षा के प्रसार और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा तक लाभार्थियों की पहुँच को सुरक्षित रखने की दृष्टि से यह निश्चित रूप से एक प्रभावशाली कदम था। यहाँ पर यह स्मरणीय है कि शिक्षा की सुविधा मुहैया कराने की दृष्टि से जीवन के आरंभिक दो दशकों तक का समय विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। जनसंख्या के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए सभी स्तरों पर शिक्षा संस्थाओं की संख्या अपर्याप्त है। साथ ही शिक्षा संस्थाओं में पर्याप्त वर्ग भेद है।

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक की दस्तक के साथ कई तरह की भौतिक, सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक घटनाओं की अनुगूँज देश में और वैश्विक स्तर पर फैलती नजर आ रही हैं उनके बीच यह सवाल अहम होता जा रहा है कि जिस तरह के आदमी को रचा–गढ़ा जा रहा है वह इस अर्थ में स्वायत्त रूप से कितना सक्षम और समर्थ है ताकि वह सर्जनात्मक रूप से खुद को, अपने परिवेश को और परिवेश के समस्त जड़ चेतन रहवासियों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सके। शिक्षा का जो ढांचा अंग्रेज छोड़कर गए और जिसे ज्यों का त्यों अपना लिया गया उसे देख कर यही लगता है कि सिर्फ सत्ता का हस्तांतरण हुआ, साहब बहादुर बदल गए बाकी सारी चीजें वही वही रहीं। शिक्षा नीति के नाम पर कवायद होती रही और थोड़े बहुत हेरफेर होते रहे पर उनका भी उत्स विदेश में ही था।

इस बार 2020 में एक शिक्षा नीति का मसौदा आया जिसे 'भारतकेन्द्रित' कहा गया। इसमें संरचना, प्रक्रिया और विषय वस्तु को लेकर बड़े गंभीर परिवर्तन के संकल्प प्रस्तुत किए गए जिनको देख कर एक लचीली और प्रतिभा को अवसर देने वाली एक उत्साहवर्धक व्यवस्था दी गई। इसमें मातशभाषा को शिक्षा का माध्यम रखने पर भी बल दिया गया है। उस मसौदे के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रगति में है। विभिन्न संस्थाएं इस हेतु तैयारी कर रही हैं। आशा की जाती है कि भविष्य में शीघ्र ही शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की रूप रेखा सामने आयेगी।

यह हमें याद रखना होगा कि शिक्षा एक व्यवस्था है जो अन्य व्यवस्थाओं से प्रभावित होती है और प्रभावित करती है क्योंकि शिक्षा का आयोजन और नियोजन स्वायत्त या निरपेक्ष न होकर अन्य व्यवस्थाओं के सापेक्ष है और उन पर निर्भर है। शिक्षा की स्वायत्तता स्वयं शिक्षा के लिए वांछित है पर शिक्षा का नियोजन कर रहे राजनैतिक दल या सरकार की मंशा यदि कुछ और है तो शिक्षा परतंत्र रहेगी और एक उपकरण के रूप में ही प्रयुक्त होती रहेगी। पर शिक्षा बेहतर समाज बनाने का अवसर जरूर है। हम जैसा समाज बनाना चाहते हैं वैसी ही शिक्षा भी देनी होगी। शिक्षा के लिए ऊंचे लक्ष्यों की बात हमेशा की जाती है पर जब उसके लिए निवेश की बात आती है तो मुकर जाते हैं। नवाचार लाने के लिए भी साहस, उत्साह और संलग्नता के साथ निवेश की जरूरत होगी। शिक्षा चर्या का परिवेश तकनीकी प्रगति के दौर में बहुत बदल गया है। बच्चों के संज्ञानात्मक अनुभव तेजी से बदल रहे हैं और कौशलों को भी नए सिरे से पहचानने की जरूरत है। स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रबीन्द्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों शिक्षा के मार्ग का अपने जीवन और कर्म द्वारा सोदाहरण निदर्शन दिया था और अभी भी उनका जिया जीवन शिक्षा के पराक्रम का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज भी प्रयोग हो रहे हैं और वैकल्पिक शिक्षा के अनेक प्रयास जारी हैं। शिक्षा के अभिप्राय के प्रति जागरूकता लाना जरूरी है। तभी शिक्षा की प्रक्रिया को स्वाभाविक विकास और सश्जन की ओर उन्मुख बनाना संभव हो सकेगा। (लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

भारतीय इतिहास का पश्ठ काला-हर सरकार में रक्षा घोटाला?

–ओमप्रकाश मेहता–

इस नई इक्कीसवीं शताब्दी के साथ ही भारत में भ्रष्टाचार की बाढ़ भी आ गई। इस शताब्दी के अब तक के दो दशकों में यह मौजूदा तीसरी सरकार है, जिसने "न खाऊँगा – न खाने दूँगा" के संकल्प के साथ अपनी शुरूआत की थी, किंतु अब जो 'दिन दूने रात चौगुने' प्रकरण सामने आ रहे हैं, उनसे भारत का जागरूक नागरिक काफी परेशानी महसूस कर रहा है।

यदि हम अन्य मसलों को छोड़ सिर्फ भारत की सुरक्षा से जुड़े मसलों की ही बात करें तो यह स्पष्ट होता है कि इस शताब्दी की पहली राजनीति के युग पुरूष अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार से लेकर मौजूदा नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार तक ने भारतीय सेनाओं के हथियारों व आयुद्ध विमानों की खरीदी में भ्रष्टाचार में कोई कमी नही की। अथार्त अटल जी के समय से शुरू हुआ रक्षा सौदों में दलाली का सिलसिला आज मोदी सरकार तक जारी है और इससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की काफी बदनामी भी हुई है।

मौजूदा शताब्दी के प्रारंभिक चार वर्षों में अटल जी की सरकार रही, इस घौटाले की शुरूआत उसी समय से हुई, तत्कालीन रक्षा विशेषज्ञों ने फ्रांस, जर्मनी आदि देशों से रक्षा सौदों की शुरूआत की और दलाली का खेल शुरू किया उसके बाद एक दशक तक कांग्रेस के डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार रही, जिसमें अनेकानेक क्षेत्रों में भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित किये, जिनमें रक्षा सौदों से जुड़े राफैल खरीदी घोटाला भी शामिल है। वर्ष 2007 से 2012 के बीच यह सौदा हुआ था। अगस्ता वैस्टलैण्ड नाम के इस सौदे में भी उसी बिचौलिये का नाम सामने आया था, जिसने रॉफैल सौदे में बिचौलिये की भूमिका निभाई थी, जिसका नाम सुषैन गुप्ता बताया जा रहा है, जिसने इस सौदे में 65 करोड़ की दलाली राशि प्राप्त की थी, दावा यह भी किया जा रहा है कि भारत के हर रक्षा सौदे के समय इसी शख्स ने बिचौलिये की भूमिका निभाई। यह शख्स आज जेल में है, भाजपा प्रवक्ता ने तो रक्षा सौदों के संदर्भ में इंडियन नेशनल कांग्रेस का नाम ही बदल कर "आई नीड कमीशन" (आईएनसी) कर दिया।

रक्षा सौदों को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की बदनामी करने में अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया भी पीछे नही रहा, हाल ही में फ्रांस के "पोर्ट मीडिया पार्ट" ने भारत की मौजूदा सरकार पर आरोप लगाया है कि भारतीय जांच एजेंसियों के पास रक्षा सौदों में घोटाले के पर्याप्त पुख्ता सबूत है, फिर भी मौजूदा सरकार ने उनकी जांच शुरू नही की। फ्रांस के इस प्रमुख मीडिया पोर्टल का कहना है कि शैल कम्पनी के जरिये रिश्वत या दलाली दी गई। बताया गया कि आईटी कम्पनी आई.डी.एस. भी इस गोरखधंधे में शामिल है। अब एक ओर जहां इन रक्षा सौदों को राजनीतिक खिंचतान का मुख्य माध्यम बना लिया गया है, वहीं रक्षा सौदा रॉफैल की आरोपी कांग्रेस स्वयं ही संयुक्त संसदीय जांच दल (जेपीसी) से सभी रक्षा सौदों की जांच कराने की मांग कर रही है। संसद शीतकालीन सत्र 29 नवम्बर से शुरू होने जा रहा है, जिसके रक्ष सौदों के घोटालों में खो जाने की संभावना वयक्त की जा रही है।

इधर इन दिनों एक नया रक्षा घोटाला राजनीतिक हवा में तैर रहा है, कांग्रेस मोदी सरकार पर आरोप लगा रही है कि मोदी सरकार ने पिछले दिनों एक रक्षा सौदे में 526 करोड़ की डील 1600 करोड़ में क्यों की? और वह भी बिना टेण्डर के? ये सवाल रॉफैल रक्षा सौदे को लेकर उठाये जा रहे है। आरोप लगाया है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने सौदे का एक 'क्लॉज' हटाया और इस डील को आगे बढ़ाया था। इस माध्यम से देश को हजारों करोड़ का नुकसान पहुंचाया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस सौदे के तहत 36 रॉफैल लड़ाकू विमानों की खरीदी की डील हुई थी जो 39 हजार करोड़ की थी, फ्रांस के प्रमुख अखबार मीडिया पार्ट का आरोप है कि इस डील के लिए डसाल्ट एवियेशन ने सुषैन गुप्ता को बिचौलिये के रूप में 7.5 मीलियन डॉलर अर्थात् 65 करोड़ की दलाली दी थी। और दुनिया भर में इस घोटाले की गूंज के बावजूद भारत सरकार मौन दर्शक बनी रही, उसने इस दिशा में निष्पक्ष जांच सम्बंधी कोई फैसला नहीं लिया जो आज भी राजनीति में विस्मय की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस नई इक्कीसवीं शताब्दी के पिछले दो दशकों को इसीलिए "घोटाला काल" कहा जाने लगा है, इन रक्षा घोटालों की शुरूआत अटल जी की सरकार से हुई और "मौनीबाबा" (मनमोहन सिंह) की एक दशक की सरकार के बाद मोदी जी की सप्त वर्षिय जारी सरकार को भी इन घोटालों से जोड़कर देखा जाने लगा है, मोदी सरकार पर रॉफैल सौदों में घोटाले के साथ पिछली मनमोहन सरकार के घोटाले की जांच की अपेक्षा उन्हें "नस्तीबद्ध" करने के आरोप लगाए जा रहे है, कहा जा रहा है कि मॉरिशस सरकार ने आज से तीन साल पहले अर्थात् 2018 में जांच के दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिये थे, किंतु आज तक मोदी सरकार ने उनकी जांच शुरू नही करवाई, इस कारण अपने आपको साफ सुथरी बताने वाली मोदी सरकार पर भी भ्रष्टाचार के दाग लगे नजर आने लगे है। अब अपेक्षा की जा रही है कि अगले संसद सत्र में शायद इस बारे में कुछ खुलासा हो?

सरकार के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं कुपोंाण और भुखमरी के आंकड़े

–ललित गर्ग–

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी ताजा रिपोर्ट न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक ओर विकास और अर्थव्यवस्था की भावी सुखद तस्वीर की चमक की बात की जा रही हो और दूसरी ओर देश में बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या के गहराते जाने के आंकड़े सामने आएं। जबकि अमूमन हर कुछ रोज बाद इस तरह की बातें शीर्ष स्तर से कही जाती रहती हैं कि बच्चे चूंकि भविष्य की उम्मीद और बुनियाद हैं, इसलिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने सहित बाकी मामलों में भी उनके जीवन–स्तर में बेहतरी जरूरी है। लेकिन ताजा कुपोषण एवं भुखमरी के आंकड़े शासन–व्यवस्था की एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक देश में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार देश में तैंतीस लाख से ज्यादा बच्चे कुपोषित हैं। इनमें से आधे से अधिक बच्चे अत्यंत कुपोषित की श्रेणी में आते हैं। ये आंकड़े पिछले साल विकसित पोषण ऐप पर पंजीकृत किए गए, ताकि पोषण के नतीजों पर निगरानी रखी जा सके। फिलहाल आंगनवाड़ी व्यवस्था में शामिल करीब 8.19 करोड़ बच्चों में से चार फीसद से ज्यादा बच्चों को कुपोषित के दायरे में दर्ज किया गया है। लेकिन न सिर्फ यह संख्या अपने आप में चिंताजनक है, बल्कि इससे ज्यादा गंभीर पक्ष यह है कि पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल अक्तूबर में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की तादाद में इक्यानबे फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है। विचित्र यह भी है कि बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या जिन राज्यों में सबसे ज्यादा है, उनमें शीर्ष पर महाराष्ट्र है। दूसरे स्थान पर बिहार और तीसरे पर गुजरात है। बाकी राज्यों में भी स्थिति परेशान करने वाली है, मगर यह हैरानी की बात है कि बिहार के मुकाबले महाराष्ट्र और गुजरात जैसे विकसित राज्यों में संसाधन और व्यवस्था की स्थिति ठीक होने के बावजूद बच्चों के बीच कुपोषण चिंताजनक स्तर पर है।

एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि भुखमरी एवं कुपोषण के खिलाफ दशकों से हुई प्रगति कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित हुई है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में भूख, कुपोषण एवं बाल स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिन्ताजनक स्थिति विश्व का कड़वा सच है लेकिन एक शर्मनाक सच भी है और इस शर्म से उबरना जरूरी है। रिपोर्ट बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है।

यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।'

हालत यह है कि वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत एक सौ एक वें स्थान पर जा चुका है। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह तमाम बाधाओं के बीच अनिवार्य कार्यक्रमों को कैसे सुचारू रूप से संचालित करती है। वरना मौजूदा निराशाजनक तस्वीर के रहते हम किस कसौटी पर विश्व में एक बड़ी शक्ति होने का दावा कर सकेंगे? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कुपोषित बच्चों की मौजूदा समस्या विकास के दावों के सामने आईना बन कर खड़ी रहेगी। दरअसल, इस मसले पर हालात पहले ही संतोषजनक नहीं थे, लेकिन बीते एक साल के दौरान बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या ने तेजी से अपने पांव फैलाए हैं। यह स्थिति तब है जब देश में एकीकृत बाल विकास जैसी महत्त्वाकांक्षी योजना से लेकर स्कूलों में मध्याह्न भोजन जैसे अन्य कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हालांकि बीते डेढ़ साल से ज्यादा समय से कोरोना महामारी की रोकथाम के क्रम में कई योजनाओं पर अमल में बाधाएं आई हैं। पूर्णबंदी के दौर में पहले ही करोड़ों लोग रोजी–रोजगार से वंचित हुए और इससे उनके खानपान और पोषण पर गहरा असर पड़ा।

महामारी के डेढ़ साल में कुपोषण के मोर्चे पर हालात और दयनीय हुए हैं। अब इस संकट से निपटने की चुनौती और बड़ी हो गई है। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन–व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन के लगभग 30 वर्षों के बाद असमानता, भूख और कुपोषण की दर में वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि समृद्धि के कुछ टापू भी अवश्य निर्मित हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोविड–19 के असर से पैदा हो रहे आर्थिक एवं सामाजिक तनावों पर विस्तृत जानकारी हासिल की है। भारत को लेकर प्रकाशित आंकड़े चिंताजनक हैं। एक तरफ हम खाद्यान्न के मामले में न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अनाज का एक बड़ा हिस्सा निर्यात करते हैं। वहीं दूसरी ओर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कुपोषित आबादी भारत में है। भारत में महिलाओं की पचास फीसदी से अधिक आबादी एनीमिया यानी खून की कमी से पीड़ित है। इसलिए ऐसे हालात में जन्म लेने वाले बच्चों का कम वजन होना लाजिमी है।

राइट टु फूड कैंपेन नामक संस्था का विश्लेषण है कि पोषण गुणवत्ता में काफी कमी आई है और लॉकडाउन से पहले की तुलना में भोजन की मात्रा भी घट गई है। सवाल है कि अगर बच्चों में कुपोषण की समस्या चिंताजनक स्तर पर बरकरार रही तो विकास और बदलाव के तमाम दावों के बीच हम कैसे भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? भारत के साथ एक और विडम्बना है कि यहां एक तरफ विवाह–शादियों, पर्व–त्यौहारों एवं पारिवारिक आयोजनों में भोजन की बर्बादी बढ़ती जा रही है, तो दूसरी ओर भूखे लोगों के द्वारा भोजन की लूटपाट देखने को मिल रही है। भोजन की लूटपाट जहां मानवीय त्रासदी है, वहीं भोजन की बर्बादी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। एक तरफ करोड़ों लोग दाने–दाने को मोहताज हैं, कुपोषण के शिकार हैं, वहीं रोज लाखों टन भोजन की बर्बादी एक विडम्बना है। एक आदर्श समाज रचना की प्रथम आवश्यकता है अमीरी–गरीबी के बीच का फासला खत्म हो। खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में 'निज पर शासन, फिर अनुशासन' एवं 'संयम ही जीवन है' जैसे उद्घोष को जीवनशैली से जोड़ना होगा। इन दिनों मारवाड़ी समाज में फिजूलखर्ची, वैभव प्रदर्शन एवं दिखावे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं भोजन के आइटमों को सीमित करने के लिये आन्दोलन चल रहे हैं, जिनका भोजन की बर्बादी को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। सरकार को भी शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार करना चाहिए। दिखावा, प्रदर्शन और फिजूलखर्च पर प्रतिबंध की दृष्टि से विवाह समारोह अधिनियम, 2006 हमारे यहां बना हुआ है, लेकिन यह सख्ती से लागू नहीं होता, जिसे सख्ती से लागू करने की जरूरत है। धर्मगुरुओं व स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए।

जानलेवा हमला करने के 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा बरामद

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कौड़िया पुलिस ने जानलेवा हमला करने के वांछित अभियुक्तों–01. रामेश्वर प्रसाद, 02. गुलाब चन्द्र को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 01 अदद खोखा कारतूस बरामद किया गया। उक्त अभियुक्तों ने दिनांक 10.11.2021 को जमीनी विवाद के चलते वादी राघवराम पुत्र राजिन्द्र प्रसाद नि0 ग्राम बौनापुर थाना कौड़िया जनपद गोण्डा व उसके परिजनों को गाली–गुप्ता देते हुए मारा–पीटा था तथा रामेश्वर प्रसाद ने जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर कर दिया था। उप निरीक्षक सुरेश कुमार साहनी टीम के साथ रामेश्वर प्रसाद उर्फ नंगू पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम बौना पुर , थाना कौड़िया,, गुलाब चंद्र उर्फ नान शुक्ला पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम बौना पुर थाना कोरिया जनपद गोंडा को गिरफ्तार करके मुख्य अपराध संख्या226/21 धारा 323 504 506,327 ,307 ,352 34, भादवी व 3/25आर्म्स थाना कोडीया जनपद गोंडा अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

जानलेवा हमला करने के 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा बरामद–

अवध की आवाज ब्यूरा

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कौड़िया पुलिस ने जानलेवा हमला करने के वांछित अभियुक्तों–01. रामेश्वर प्रसाद, 02. गुलाब चन्द्र को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 01 अदद खोखा कारतूस बरामद किया गया। उक्त अभियुक्तों ने दिनांक 10.11.2021 को जमीनी विवाद के चलते वादी राघवराम पुत्र राजिन्द्र प्रसाद नि0 ग्राम बौनापुर थाना कौड़िया जनपद गोण्डा व उसके परिजनों को गाली–गुप्ता देते हुए मारा–पीटा था तथा रामेश्वर प्रसाद ने जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर कर दिया था। अभियुक्तों को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

विकासखंड मनकापुर के थाना मोतीगंज,, मोतीगंज,, राजगढ़ के बाजार में सब्जी की महंगी मार से आम आदमी परेशान रसोई सूनी,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। जैसा कि हर एक व्यक्ति को विदित है कि इस वक्त आम जनता पर महंगाई की मार चरम सीमा पर है । आप लोगों को बताते चलें कि खाने का तेल का भाव केवल पेपर में सस्ता हुआ है दुकानदार लोग ग्राहक को एक पैसे की कीमत कम करके नहीं बेच रहे हैं रु230 लीटर सरसों का तेल आज भी धड़ल्ले से बाजार में बिक रहा है लगभग 2 साल से आम आदमी लोग कोरोना की मार से परेशान किसी तरह से जीवन यापन कर रहे हैं उस पर इतनी महंगाई किस तरह से लोग अपना जीवन यापन करें और तो और है ,, बाजार में सब्जी के भाव कद्दू ,लौकी का रु40 किलो प्याज रु80 किलो ,परवल रु100 किलो, इस तरह से इतनी महंगाई होने से आदमी क्या करें किसी तरह से राशन की व्यवस्था करें सब्जी की बड़ी समस्या है,। एक समय था की दुकानों पर जाकर के तुरंत सामान खरीद के ग्राहक वापस अपने घर आता था लेकिन आज यह आलम है कि इतनी महंगाई की मार की वजह से दुकानदार सब्जी का रेट सुनकर के कुछ देर सोचता है उसके पश्चात घर वापस लौट आता है क्योंकि सब्जियों में केवल एक आलू ऐसा था जिसकी कीमत कम थी आलू से लोग किसी तरह सब्जी के रूप में प्रतिदिन प्रयोग करते थे लेकिन आज चाहे सफेद आलू लीजिए चाहे लाल आलू रु25 किलो लाल आलू रु30 किलो पुराना।, इस प्रकार से नए आलू का रेट का क्या कहना है 70 रुपया किलो इस तरह बाजार में इस तरह से धड़ल्ले बिक रहा है।

आप लोगों को बताते चलें कि कुछ लेट बेचता है कोई कुछ रेट बसता है जिसका जीता जागता सबूत मोतीगंज बाजार ,कहोबा चौराहा ,, गोपीगंज चौराहा नौबारा, और राजगढ़ बाजार में मनमाने ढंग से दुकानदार लोग सब्जियों को बेच रहे हैं। प्रशासन का उन्हें किसी प्रकार का कोई भय या तनाव नहीं है।

सब्जियों में एक सब्जी है बैगन सब्जी जिसका इससे पहले रेट रु10 किलो रु15 किलो था लेकिन आज आलम यह है कि बैगन का भी रेट ध्60 किलो हो गया है आम आदमी महंगाई की मार से किस तरह अपने आप को उभारे।

कुल मिलाकर कहना यह है कि क्या शासन–प्रशासन सब्जी मंडी या सब्जी विक्रेताओं के लिए कोई निश्चित मापन रेट नहीं है कोई किस–किस सामान की महंगाई के बारे में बात किया जाए। सब्जी हो या खदान पदार्थ हो या डीजल,वा पेट्रोल हो हर एक की महंगाई चरम सीमा से बाहर है। यदि इसी तरह महंगाई बढ़ती रही तो आने वाले भविष्य में सरकार को इसके लिए वचनबद्ध होकर सोचना पड़ेगा नहीं तो आने वाले भविष्य में इसका प्रभाव इलेक्शन पर पड़ सकता है।

पत्रकार सुरक्षा महासमितिल खनऊ ने हरदोई में हुई संपादक के साथ हुई अभद्रता को लेकर लिया संज्ञान

लखनऊ। पत्रकार सुरक्षा महासमिति लखनऊ को रियल न्यूज़ हरदोई मे संपादक के साथ कार्यालय में घुसकर की गई अभद्रता की जानकारी जैसे ही पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह जी को मिली उन्होंने ने दूरभाष द्वारा पीड़ित से जानकारी ली। जानकारी के हिसाब से विवादित दुकान का मसला कोर्ट में चल रहा है जिसमें पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस की जानकारी में हमारे साथ अभद्रता हुई और दुकान के ताले तोड़े गए। इस बात को लेकर प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने उच्च अधिकारियों को कार्यवाही हेतु सख्त कदम उठाने के लिये सूचित करने व आवश्यक कार्यवाही कराने हेतु पीड़ित को आश्वासन दिया है।

आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण से लैस,न्यू लाइफ हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

अवध की आवाज ब्यूरा

कहोबा चौराहा गोंडा। धानेपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत बाबागंज कस्बे में बहु प्रतीक्षित न्यू लाइफ हॉस्पिटल का उद्घाटन शुक्रवार को मेहनवन की पूर्व विधायक नन्दिता शुक्ला ने फीता काटकर किया।इस मौके पर उन्होंने उपस्थित लोगों से डॉक्टर शाबान खान की सराहना की।उन्होंने कहा की डॉक्टर खान बग्गीरोड कस्बे में विगत कई वर्षो से लोगों की सेवा कर रहे हैं। इस सेवा परम्परा को बढ़ाते हुए उन्होंने अपनी बेटी रेहाना खान और दामाद दीन मोहम्मद खान को इस योग्य बनाया की वो भी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा दे सकें।उसी सेवा परम्परा को मूर्त रूप देने के लिए न्यू लाइफ हॉस्पिटल का उद्घाटन श्रीमती नन्दिता शुक्ला के हाथों किया गया।इस सम्मान के लिए उन्होंने डॉक्टर परिवार का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।इस मौके पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली।इस अवसर पर अश्वनी गुप्ता,रवि कसौंधन,पुत्तन प्रधान,मौलाना शहाबुद्दीन, मोटे भाई,प्रधान देवरिया,विनोद दूबे सहित कई कर्मठ सपा समर्थक भी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में बैंक एटीएम बैंक में चेकिंग करके कर्मचारियों को दिया निर्देश,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा क्षेत्र मे पड़ने वाले बैंको/एटीएम की चेकिगं की गई, जिसमे CCTV कैमरें, संदिग्ध व्यक्तियो इत्यादि की चेंकिगं कर, बैंक सुरक्षा मे लगे सुरक्षा कर्मियो को आवयश्यक दिशा–निर्देश दिये गए। एसपी गोंडा संतोष कुमार मिश्रा जी सभी बैंक एटीएम बैंक को चेक करने के पश्चात वहां के

कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिस किसी भी व्यक्ति पर संदेह हो तत्काल उसको संज्ञान में लेते हुए पुलिस को सूचना दी जाए जिससे कुछ भी होने से बचा जा सके और सही टाइम से पुलिस अपना कार्य कर सकें। इस तरह से जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मचारियों को बताया कि कोई भी ग्राहक लाइन से पैसा ड्रा कराएं और मास्क का प्रयोग करके ही बैंक में प्रवेश करें। इस तरह से कई सतर्कता से बैंक कर्मचारियों को एसपी संतोष कुमार मिश्रा गोंडा ने समझाया।

बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए सर्दियों में रखें खास ख्याल

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। सर्दी के मौसम में छोटे बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है ताकि वह निमोनिया बीमारी की गिरफ्त में आने से बच सकें। इसके लिए जरूरी है कि छह माह तक बच्चों को माँ के दूध के अलावा कुछ भी बाहरी चीज न दें और छह माह पूरे होने के बाद स्तनपान के साथ ऊपरी आहार देना शुरू करें। इससे उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होगी और वह बीमारियों की जद में आने से बच सकेंगे।

बलरामपुर जिला अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डा. देवेन्द्र सिंह बताते हैं दृ निमोनिया किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है लेकिन यह सबसे ज्यादा पाँच साल तक के बच्चों को प्रभावित करता है। पूरी दुनिया में निमोनिया पाँच साल से कम आयु के बच्चों में होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। लोगों को निमोनिया के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है।

डा. देवेन्द्र के अनुसार दृ निमोनिया फेफड़ों में होने वाला एक संक्रमण है जो बैक्टीरिया , फंगस एवं वायरस आदि के कारण होता है। इससे फेफड़ों में सूजन आ जाती है और उसमें तरल पदार्थ भर जाता है। इसके लक्षण सर्दी जुकाम के लक्षण से बहुत कुछ मिलते–जुलते हैं। इसलिए जब भी ऐसा कुछ लगे तो पहले इसके लक्षणों की पहचान कर लें।

डा. देवेन्द्र ने बताया– बच्चों को ठंड से बचायें। नवजात को पूरे कपड़े पहनायें, नवजात के सिर, कान और पैर ढँक कर रखें और अगर वह

दूध न पिए , सुस्त रहे, रोए या बुखार हो तो प्रशिक्षित डाक्टर से अवश्य जांच कराएं। बच्चे की सांस यदि तेज चले,कफ की आवाज आए तो निमोनिया हो सकता है। निमोनिया के अन्य लक्षणों में सामान्य से तेज़ सांस या सांस लेने में परेशानी, सांस लेते या खांसते समय छाती में दर्द, खांसी के साथ पीले, हरे या जंग के रंग का बलगम, बुखार, कंपकंपी या ठंड लगना, पसीना आना, होंठ या नाखून नीले होना, उल्टी होना, पेट या सीने के निचले हिस्से में दर्द होना, कंपकंपी, शरीर में दर्द, मांसपेशियों में दर्द भी हैं।

इससे बचाव के लिए बच्चों का समय से टीकाकरण करवाना चाहिए। निमोनिया का टीका न्यूमोकॉकॉल कोन्जुगेट है जो कि बच्चे को डेढ़ माह, ढाई माह, साढ़े तीन माह और 15 माह में लगाए जाते हैं। यह बच्चे को निमोनिया की बीमारी से बचाते हैं।

डा. देवेंद्र ने बताया – आज के समय में कोरोना का भी खतरा है ऐसे में बच्चों में कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन कराना सुनिश्चित करें। निमोनिया सहित अधिकतर बीमारियाँ प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण होती हैं। इसलिए नवजात को छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाना चाहिए और छह माह के बाद बच्चे को पौष्टिक ऊपरी आहार शुरू कर देना चाहिए।

जी आई सी के छात्रों को बताए गए सड़क सुरक्षा केनियम

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव श्री दिनेश त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में, यातायात प्रभारी उ0नि0 अरविन्द पाण्डेय द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज मेउत्साहवर्धं तहत सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार सिंह, यातायात प्रभारी अरविंद पाण्डे, समन्वयकों डॉ आशीष श्रीवास्तव व डॉ मनीष सिंह सेंगर ने मां सरस्वती का पूजन कर वर्कशॉप का शुभारंभ किया। एच सी पी राजेश सिंह ने बच्चों को चौराहों पर स्थापित निर्देशांकों की विस्तृत जानकारी देते हुए साइकिल ट्रैक पर साइकिल चलाने और फुटपाथ पर पैदल चलने एवं रेलवे क्रासिंग पर दाएं बाएं देख कर बैरियर खुलने के बाद ही पार करने की सलाहदी।

मुख्य आरक्षी को सर्वोत्तम कार्य के लिए प्रशस्ति-पत्र मिला

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। जिले के इटियाथोक में तैनात हेड कांस्टेबल अरूण कुमार यादव को उनके बीट में उनके सर्वोत्तम कार्य के लिये उन्हें जिले का सर्वश्रेष्ठ बीट पुलिस अधिकारी के रूप में चुना गया।जिसके लिये उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन द्वारा प्रशस्ति– पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया है।उनकी इस उपलब्धि पर सभी सहकर्मियों द्वारा उन्हें बधाई देने के साथ उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। बताते चलें कि,मुख्य आरक्षी अरूण यादव द्वारा अपने बीट में उत्कृष्ट कार्य किया गया है। उन्होंने अपने बीट क्षेत्र में अपराधियों पर कार्रवाई कराने,अवैध धंधों पर धकेल लगाने के साथ संभ्रांत व्यक्तियों से संवाद स्थापित करने के साथ क्षेत्र की शांति व्यवस्था में उनके योगदान के लिये अपर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया है। बताते चलें कि,इससे पूर्व वजीरगंज में भी उनका कार्यकाल सराहनीय रहा है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव की पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने अपने पति स्मृतिशेष संदीप टंडन जी की 72 वें जन्मदिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए औरास ब्लॉक के गोबरा गाँव निवासी 35 वर्षीय व 3 नाबालिग बच्चों की माँ सुशीला रावत जिनके पति 6 वर्ष पूर्व मार्ग दुर्घटना में खत्म हो गए थे उनके परिवार के पालन पोषण हेतु एक दुधारू गाय दान दी । अन्नू टंडन जी द्वारा दान में प्राप्त दुधारू गाय पाकर भावुक सुशीला रावत ने बताया कि अब कम से कम बच्चों को दूध उपलब्ध होने के अलावा घर खर्च उठाने में भी मदद मिलेगी ।

कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र में पहुंची महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष सपा कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

भाजपा सरकार किसान नौजवान व महिलाओं का नहीं करती सम्मान–प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लीलावती गरीबो,मजलूमो,दलितो,के जीवन स्तर को उठाने की सोच रखते है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष– बैजनाथ दुबे

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश स्तरीय नेताओं का क्षेत्र में तूफानी दौर जारी। बताते चलें कि विधानसभा क्षेत्र के कटरा बाजार ग्राम पंचायत रायपुर,दुबहा बाजार एवं बनगाव मे समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारियो तथा कार्यकर्ताओ के साथ बैठक की गई । जिसमे मुख्य अतिथि लीलावती कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष महिला सभा रही।साथ मे जिलाध्यक्ष महिला सभा साधना सीनघ,जिलाध्यक्ष आनन्द स्वरूप उर्फ पप्पू यादव जी,महफूज खाँ डस्६,राम भजन चौबे पूर्व प्रत्याशी,मसूद आलम खाँ पूर्व प्रत्याशी,लालचंद गौतम जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी,राजेश मिश्रा राष्ट्रीय सचिव,करीम खाँ राष्ट्रीय सचिव श्रीमती कमलेश रंजन जी,राम अवध गोस्वामी पूर्व प्रमुख भी रहे।

बैठक को सम्बोधित करते हुए कटरा के पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो सर्व समाज को एक साथ लेकर चलने का काम करती है तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक ऐसे नेता है जो गरीबो,मजलूमो,दलितो,के जीवन स्तर को उठाने की सोच रखते है। श्री दूबे ने कहा कि मै भी दस साल विधायक था बिना भेदभाव के क्षेत्र के विकास मे कोई कमी नही छोडी और सभी लोगो से कहा कि आने वाले 2022 मे साइकिल को जिताकर अखिलेश यादव जी के हाथो को मजबूत करे और प्रदेश की विकास को गति प्रदान किया।सभा को सम्बोधित करते हुए श्रीमती लीलावती कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार दलितो,पिछड़ो,नवजवानो, किसानोऔर खासकर महिलाओ की घोर विरोधी और तानाशाह सरकार है।केवल सामंतवादीयो और पूंजीपतियो का काम करती है।महंगाई से पूरे देश और प्रदेश की जनता त्रस्त है।अतरूसभी कार्यकर्ताओ से अपील है। कि इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेकने के लिये घर घर जाकर भाजपा की जनविरोधी नीतियो से अवगत कराये तथा सपा द्वारा पूर्व मे जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगो को अवगत कराये।आने वाले 2022 के विधानसभा चुनाव मे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है।सभा को जिलाध्यक्ष आनन्द्स्वरूप उर्फ पप्पू यादव, महफूज खाँ MLC,मसूद खाँ,रामभजन चौबे,साधना सिंह जी ने भी सम्बोधित किया।सभा मे अरविंद शुक्ला एडवोकेट,विश्वनाथ सिंह पूर्व प्रधान,मुन्ना सिंह, लेखराज यादव,रामप्रकाश पान्डेय,पप्पू शुक्ला,राजन तिवारी,मोहर्रम अली,अटल बिहारी दूबे,राघवराम पान्डेय,ओंकार नाथ शुक्ला,अजमल खाँ,संजय शर्मा,कुलदीप श्रीवास्तव सहित हजारो की संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकी कौशल बनेंगे 'गोविंदा', संग धमाल मचाएगी भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी की जोड़ी

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड में हर रोज नई फिल्मों की घोषणा होती है। अब एक और फिल्म की घोषणा हो गई है जिसमें विकी कौशल के साथ कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर नजर आने वाली हैं। फिल्म का नाम 'गोविंदा नाम मेरा' है जिसका डायरेक्शन शशांक खेतान करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक फैमिली कॉमिडी ड्रामा फिल्म होगी और इसे करण जौहर प्रड्यूस करने जा रहे हैं। शशांक खेतान इससे पहले करण जौहर के साथ 'हम्पटी शर्मा की दुलहनिया', 'बद्रीनाथ की दुलहनिया' और 'धड़क' जैसी फिल्में बना चुके हैं। करण जौहर ने फिल्म के 3 पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए फिल्म की घोषणा की है। फिल्म में विकी कौशल हीरो 'गोविंदा वाघमारे' की भूमिका में नजर आएंगे। भूमि इसमें वाघमारे की पत्नी की भूमिका में जबकि कियारा वाघमारे की गर्लफ्रेंड के किरदार में नजर आएंगी। देखें, करण जौहर की पोस्ट्सः बताया जा रहा है कि यह फइल्म 10 जून 2022 को रिलीज होगी। इसका मतलब है कि इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी। इस फिल्म के अलावा विकी कौशल सैम मानेकशॉ की बायॉपिक 'सैम बहादुर' में, भूमि पेडनेकर राजकुमार राव के साथ 'बधाई दो' और कियारा आडवाणी 'भूल भुलैया 2' और 'जुग जुग जियो' में नजर आने वाली हैं।

सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुरुप शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

तिरुवनंतपुरम,(वेब वार्ता)। दुलकर सलमान अभिनीत बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म कुरुप शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कुरुप का निर्देशन श्रीनाथ राजेंद्रन ने किया है और यह केरल के मोस्टवांटेड अपराधी सुकुमारा कुरुप की कहानी है, जो अपनी मौत की कहानी लिखकर बीमा के पैसे का गबन करने के लिए एक फिल्म प्रतिनिधि चाको की हत्या कर फरार है। पुलिस के अनुसार कुरुप एक जर्मन अपराध–उपन्यास से प्रभावित था और उसने बीमा क्लेम पाने के लिए अपनी मौत की पटकथा लिखने की कोशिश की थी। दावा 8,00,000 रुपये का था। फिल्म प्रतिनिधि चाको देर रात बस का इंतजार कर रहे थे, कुरुप ने उन्हें अपनी कार में लिफ्ट देकर मार डाला। सुकुमार कुरुप कथित तौर पर विदेश भाग गया है, जबकि

उसके दो सहयोगियों – ड्राइवर पोनप्पन और बहनोई भास्कर पिल्लई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सुकुमार कुरुप अभी भी जनवरी 1984 से फरार होने की सूची में है और चाको हत्याकांड राज्य के न्यायिक इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों में से एक है। फिल्म 28 मई, 2021 को ही सिनेमाघरों में पहुंचने वाली थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण देरी हुई। 35 करोड़ रुपये के बजट पर बनी इस फिल्म को दुनियाभर में रिलीज किया जा रहा है और निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म यूएस, यूके और कनाडा के साथ–साथ खाड़ी देशों और सिंगापुर में रिलीज होगी। यह फिल्म एम–स्टार एंटरटेनमेंट्स के साथ दलकर सलमान की वेफरर फिल्म्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है। फिल्म की शूटिंग केरल, मुंबई, दुबई, मंगलुरु, मैसूर, गुजरात और अहमदाबाद में हुई है। दलकर सलमान के अलावा, कलाकारों में इंद्रजीत सुकुमारन, सनी वेन, शाइन टॉम चाको, शोभिता धूलिपाला और भरत श्रीनिवासन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सेहत

शरीर को उर्जा प्रदान करते हैं ये योगासन, आलस्य हो जाती है दूर

जीवन में सुख और शांति के लिए आपको एक मजबूत शरीर और शायद अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक स्पष्ट भावनात्मक शरीर का अनुभव करने की जरूरत है। यदि आपका पूरा शरीर एक प्रतिध्वनि है तब आप किसी भी भावनात्मक चुनौती को पूरा करने के लिए तैयार रहते हैं। इन सबके लिए शारीरिक व्यायाम बहुत जरूरी होता है। व्यायाम के अन्य प्रकारों में योग का सबसे ज्यादा महत्व है। योग के विभिन्न आसनों द्वारा सांस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

ऊर्जा प्रदान करने वाला आसन : सबसे पहले अपने पैरों के समानांतर खडे हो जाइए। अब, सांस को अंदर करते हुए अपने हाथों को अपने सिर से ऊपर ले जाइए। उसके बाद, अपनी सांसों को छोडते हुए हाथों को कंधे पर रख दीजिए। इस बीच अपने आंखों से सभी प्रकार के तनावों को दूर रखिए। अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढिए।

तड़ासन : इस आसन में खडेढ होकर अपने पैरों, कमर और गर्दन को एक सीधी लाइन में रखिए। अपनी उंगलियों को सामने की तरफ कर मुट्ठी बांधिए। सांस लेते हुए अपनी बंद मुट्ठी के साथ अपने हाथों को ऊपर की तरफ उठाइए। सांसों को रोककर अपनी एडी को धीरे–धीरे उठाइए। आपने शरीर को ऊपर की तरफ जितना संभव हो खींचिए। फिर सांसों को छोडते हुए सामान्य स्थिति में आइए। इस क्रिया को 5 से 10 बार दोहराइए।

त्रिकोणासन : अपने हाथों के बराबर में पैरों को फैला लीजिए। दोनों हाथों को ढीला छोडकर लटकने दीजिए। सांस को अंदर खींचते हुए दाहिने हाथ को आसमान की तरफ ऊपर ले जाइए और बाएं हाथ को शरीर से सटाकर नीचे ही रहने दीजिए। अपने हाथ और पैरों को सीधा रखिए। जब सांस को बाहर छोडते हुए दाहिने हाथ की तरफ झुकिए, इस बीच आपका दाहिना हाथ जमीन के समानांतर होना चाहिए। इसके बाद तेजी से बाएं हाथ से जमीन को छूने की कोशिश कीजिए। सांस लेते हुए सामान्य स्थिति में आइए। इसी क्रिया को विपरीत दिशा में भी दोहराते हुए कम से कम 5 बार कीजिए।

भुजंगासन : चेहरे को नीचे की तरफ करके जमीन पर लेट जाइए। अब, अपने माथे को जमीन से छुएं। अपनी हथेली को भुजाओं के नीचे रखिए, और स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि आपकी उंगलियां भुजाओं को छू रही हों। अपने पैरों को सीधा रखिए। अपने सिर को पीछे की तरफ हल्का सा ले जाते हुए सांस लीजिए। अपने हाथों से सीने और सिर पर आगे की तरफ दबाव डालिए, लेकिन इस स्थिति में पीठ को मोडे रखिए। अपनी सांसों को रोके रखिए, ताकि सांप जैसी स्थिति दिखे। चेहरे को नीचे लाने से पहले इस स्थिति में 8 से 10 सेकेंड तक रहिए। इस क्रिया को 5 बार दोहराइए।

सुखासन : दोनों घुटनों को मोडकर, गर्दन, कमर और पीठ को सीधा रखकर बैठिए। अपनी हथेलियों को सीधा रखिये इंडेक्स उंगली (अंगूठे के बगल वाली उंगली) के अग्र भाग को अंगूठे से छूकर अन्य तीनों उंगलियों को सीधी रखिए। इस आसन को करने से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होगी। रक्त का संचार अच्छे से होगा, तंत्रिका तंत्र और पाचन क्रिया बेहतर होगी। इस आसन को करने से अंदर से शांति महसूस होगी। यह आसन आपको अंदर से मजबूत बनाता है। इन आसनों के जरिये आप न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शांति और शक्ति भी पा सकते हैं।

नानी की श्याम सिंघा रॉय का टीजर १८ नवंबर को होगा रिलीज

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। नानी और साई पल्लवी की श्याम सिंघा रॉय सबसे बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्मों में से एक मानी जा रही है। जैसा कि नानी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं, उनसे उम्मीदें ज्यादा हैं। श्याम सिंघा रॉय के निर्माताओं के ताजा अपडेट के साथ, चर्चा दोगुनी हो गई है। श्याम सिंघा रॉय को लेकर फैंस की उम्मीदें और बढ़ रही है, क्योंकि निर्माता 18 नवंबर को टीजर रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। निर्माताओं ने एक शानदार पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की है, जिसमें नानी को जबरदस्त लुक में दिखाया गया है, जिनके बैकग्राउंड में आग की चिंगारी देखी जा सकती है। निर्माताओं ने हाल ही में पहला सिंगल राइज ऑफ श्याम रिलीज करके श्याम सिंघा रॉय का प्रमोशन शुरू कर दिया है। गाने को सभी का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। साथ ही, जारी किए गए पोस्टरों ने ध्यान आकर्षित किया है, जबकि नानी और उनकी टीम ने मीडिया से बातचीत और प्रेस मीट शुरू कर दी है, ताकि रिलीज के दिन तक फिल्म का प्रमोशन किया जा सके। साई पल्लवी, मैडोना सेबेस्टियन और कृति शेट्टी इस फिल्म में मुख्य महिला के रूप में दिखाई देंगी। राहुल सांकृत्यान द्वारा निर्देशित, यह फिल्म वर्ष 1970 में कोलकाता पर आधारित है। वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के तहत प्रोडक्शन नंबर 1 के रूप में प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में संगीत मिकी जे मेयर ने दिया है।

अनसूया भारद्वाज का पोस्टर फैंस को खुश करने में नाकाम

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। सुकुमार द्वारा निर्देशित, अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय फिल्म पुष्पाः द राइज हाल के दिनों में बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

देहाती, ग्रामीण पशष्ठभूमि के साथ, निर्मार्ताओं को फिल्म को लेकर जमकर तारीफ मिली है। निर्माताओं ने बुधवार को अभिनेत्री अनसूया भारद्वाज के फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया, जो प्रशंसकों के बीच खलबली मचाने में नाकामयाब रही। जहां अनसूया का अनजाना लुक वायरल हो रहा है, वहीं ऐसा लग रहा है कि फिल्म के ज्यादातर फैंस इस लुक से खुश नहीं हैं। अनसूया भारद्वाज के फर्स्ट लुक पोस्टर में उन्हें अलग अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में अनसूया को काफी सोने के गहने पहने देखा जा सकता है। साथ ही पान खाती दिखाई देती है और हाथ में सरौता (सुपारी काटने का एक यंत्र) पकड़ी हुई हैं।

पुष्पा की कहानी आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सुदूर इलाकों की वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। कहानी क्षेत्र के शेषचलम पहाड़ियों में लाल चंदन तस्करों के इर्द–गिर्द घूमती है। सुकुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में अल्लू अर्जुन पुष्पा राज नामक एक चंदन तस्कर की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसे रश्मिका मंदाना के साथ देखा जाएगा। पुष्पा एक दो–भाग वाली फिल्म है और इसे मुत्तमसेट्टी मीडिया के सहयोग से मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा बनाया गया है।

कैटरीना, विक्की राजस्थान के सिक्स सेंस फोर्ट में करेंगे शादी

जयपुर, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड स्टार कैटरीना कैफ और विक्की कौशल राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के सिक्स सेंस फोर्ट होटल में शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। शादी का जश्न 7–12 दिसंबर तक चलेगा और

शादी के लिए होटल में बुकिंग हो चुकी है। हालांकि अभी इसकी औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। वीआईपी वेडिंग के आयोजन के लिए कई इवेंट कंपनियां मिलकर काम करेंगी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि अलग–अलग आयोजनों के लिए अलग–अलग कंपनियों को काम पर रखा जा रहा है। इन इवेंट कंपनियों ने अपना काम जोर शोर से शुरु भी कर दिया है। वहीं कैटरीना और विक्की कौशल की टीम भी शादी की तैयारियों में जुट गई है। स्थिति का जायजा लेने के लिए मंगलवार को 10 सदस्यीय टीम सिक्स सेंस बड़वारा किला पहुंची थी। होटल प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक टीम ने शादी से जुड़े सभी इंतजामों पर नजर बनाए रखी है। टीम ने बरात आने से लेकर मेहंदी, हल्दी तक के डेकोर के इंतजाम देखे है। हालांकि अभी शादी के कार्यक्रमों की घोषणा नहीं की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय ने आईआरईओ समूह के ललित गोयल को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट समूह आईआरईओ के प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष ललित गोयल को धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी के 'लुकआउट' परिपत्र के आधार पर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बशहस्पतिवार को आव्रजन अधिकारियों ने गोयल को रोका। अधिकारियों ने बताया कि गोयल अमेरिका की उड़ान में सवार होने वाले थे जब उन्हें पकड़ा गया। एजेंसी के चंडीगढ़ कार्यालय के अधिकारियों ने गोयल से हवाई अड्डे पर पूछताछ की और धन शोधन कानून के प्रावधानों के तहत उन्हें हिरासत में लिया। गोयल के खिलाफ, लगभग सात करोड़ 70 लाख अमेरिकी डॉलर की कथित हेराफेरी से जुड़े धन शोधन के मामले में जांच चल रही है। व्यवसायी का नाम पैंडोरा पेपर लीक मामले में भी सामने आया था।

सीमा के पास मवेशियों की तस्करी का प्रयास कर रहे दो बांग्लादेशी मारे गए : बीएसएफ

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मवेशियों की तस्करी की कोशिश रोक रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गोलीबारी में शुक्रवार को दो बांग्लादेशी मवेशी तस्करों की मौत हो गई। बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान एक जवान भी घायल हो गया और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि घटना तड़के तीन बजे की है, जब " बांग्लादेश की ओर से कुछ अवांछित तत्व भारतीय क्षेत्र में मवेशियों की तस्करी करने के लिए दाखिल हुए और उन्होंने मवेशियों की तस्करी का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि जवानों ने भारत – बांग्लादेश सीमा से पहले ही उन लोगों से वापस जाने के लिए कहा लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। प्रवक्ता ने बताया " बीएसएफ के जवानों ने बदमाशों को रोकने के लिए ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जो जानलेवा नहीं थे। लेकिन तभी उन्होंने, जवानों पर लोहे की छड़ों और डंडों से हमला कर दिया। अपनी जान को खतरा भांपते हुए, बीएसएफ के दल ने बदमाशों की ओर हवा में गोलियां चलाई। उन्होंने कहा, "बाद में तलाश अभियान के दौरान दो अज्ञात लोगों के शव सीमा बाड़ और अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच बरामद हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी एल संतोष ने आम आदमी पार्टी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी एल संतोष ने जाति और धर्म की राजनीति को लेकर आम आदमी पार्टी पर राजनीतिक हमला बोला है। बी एल संतोष ने आप मुखिया अरविंद केजरीवाल के पुराने बयान और दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा पणजी में दिए गए बयान को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए आप पर तीखा कटाक्ष किया है।

भाजपा संगठन के हिसाब से राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद दूसरे नंबर पर आने वाले सबसे ताकतवर पदाधिकारी बी एल संतोष ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पुराने ट्वीट और दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के गोवा के पणजी में सीएम और डिप्टी सीएम के उम्मीदवार के बारे में दिए गए बयान को शेयर करते हुए आप पर निशाना साधा है।

आप के दोनों नेताओं के बयानों को शेयर करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी एल संतोष ने ट्वीट किया, ऑड और ईवन दिनों में विज्ञापन सीएम और उनकी पार्टी ।

इस ट्वीट के जरिए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव ने आम आदमी पार्टी पर जाति और धर्म की राजनीति को लेकर कटाक्ष करते हुए इशारों–इशारों में निशाना साधा है। बी एल संतोष ने अरविंद केजरीवाल के जिस पुराने ट्वीट को शेयर किया हैं, उसमें केजरीवाल ने जाति और धर्म की बजाय शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ने की वकालत की थी। इसके साथ ही भाजपा नेता ने गोवा में दिए गए मनीष सिसोदिया के उस बयान को भी शेयर किया है , जिसमें मनीष सिसोदिया ने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी गोवा विधान सभा चुनाव में भंडारी समुदाय के व्यक्ति को मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के तौर पर पेश करेगी। मनीष सिसोदिया ने यह ऐलान भी किया था कि गोवा में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर ईसाई समुदाय के व्यक्ति को ही राज्य का उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

दरअसल, अगले वर्ष की शुरूआत में गोवा समेत 5 राज्यों में विधान सभा चुनाव होने हैं। पार्टी विस्तार की मुहिम में लगी आम आदमी पार्टी भी पूरी ताकत के साथ राज्य में विधान सभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, जबकि भाजपा राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के मिशन के साथ चुनावी मैदान में उतरने जा रही है।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। विकासखंड महोली गेट पर संगठन के द्वारा मनरेगा मजदूरों की मजदूरी तथा विकास खंड से जुड़ी हुई अन्य तमाम समस्याओं व भ्रष्टाचार को लेकर 03/11/ 2021 से अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है धरने के आज दसवें दिन सीतापुर प्रशासन के उदासीन रवैया के कारण संगठन के 5 पदाधिकारियों ने बालमुडवा कर महोली ब्लाक में व्याप्त भ्रष्टाचार का दसवां संस्कार कर प्रशासन की नींद खोलने का प्रयास किया है बाल मुंडवाने वाले ब्लॉक अध्यक्ष महोली विश्व पाल राठौर ब्लॉक अध्यक्ष ऐलिया विक्रम गौतम तहसील महासचिव महोली अखिलेश पंजाबी ब्लॉक उपाध्यक्ष महोली जगन्नाथ तहसील सचिव महोली रमाकांत वर्मा आदि सैकडो किसान साथी मौजूद रहे 15/11/2021 को वि०ख०महोली मे व्याप्त भ्रष्टाचार को मिटाने के लिऐ ब्लाक के अन्दर होगा बुद्धि शुद्धि हवन।

सुप्रीम कोर्टः लखीमपुर खीरी हत्याकांड जांच निगरानी पर फैसला

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को लखीमपुर खीरी हत्याकांड मामले में जांच की निगरानी का जिम्मा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त नयायाधीश को देने के मामले में फैसला कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की खंडपीठ ने पिछली सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजीत सिंह और न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नाम सुलझाये थे। खंडपीठ ने दोनों न्यायाधीशों में से किसी एक से जांच की निगरानी का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को दिया था। सरकार की ओर वकील हरीश साल्वे ने कहा था कि वह 12 नवंबर को इस बारे में पक्ष रखेंगे। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली इस खंडपीठ अब तक हुई सुनवाइयों के दौरान योगी आदित्यनाथ की सरकार की जांच पर असंतोष व्यक्त करते हुए कई बार फटकार लगा चुकी है। शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान प्रथम दृष्टया एक आरोपी को बचाने की कोशिश करने समेत कई सवाल सरकार पर खड़े किये थे। सरकार को गवाहों की सुरक्षा का आदेश देते हुए भारतीय दंड विधान संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत उनके बयान दर्ज कराने में तेजी लाने का आदेश खंडपीठ ने दिया था। शीर्ष न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा सबूतों को इकट्ठा करने में कथित तौर पर ढीला रवैया अपनाने पर खिंचाई की थी और उपलब्ध सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका व्यक्त करते हुए उसे सुरक्षित रखने के लिए जरुरी उपाय करने का आदेश सरकार को दिया था। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को केंद्र के नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गयी थी। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा आरोपियों में शामिल है। पुलिस ने आशीष समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आशीष को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। एक साल से आंदोलनरत किसान तीन अक्टूबर को केंद्रीय राज्य मंत्री पैतृक गांव में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि लखीमपुर खीरी में सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को कार से कुचल दिया गया। इस कार में अन्य आरोपियों के साथ आशीष भी सवार था। कार से कुचलकर चार लोगों की मृत्यु के बाद भड़की हिंसा में चार अन्य लोग मारे गये थे। लोगों को कुचलने वाली गाड़ियों में गुस्सायी भीड़ द्वारा आग लगा दी गयी थी। इस घटना में मरने वालों में एक स्थानीय पत्रकार और भारतीय जनता पार्टी के दो कार्यकता शामिल हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।